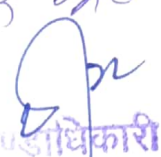


19.6.18 धारा 13(1) के अन्तर्गत लोक अदालत के अग्र
तरीके से प्रेषण हुई। वकील अभयपद
उपास्थित। शिकायती का जवाब प्रार्थना पत्रपत्र
किया जा चुका है जो दायित्व पत्रपत्रों में
उभयपक्ष की वदल दृष्टिगोचरी तथा पत्रपत्रों का
अवलोकन किया गया। साथलोक विवाहित शिकायती
के अन्तर्गत 12 हिस्सा बताने के लिये धोषणा
व बतपत्र चाहे हैं तथा एक गैरसाथलोक
को अस्थायी विधेधाज्ञा से पाबन्द कराना
चाहे हैं। गैरसाथलोक इनकार करते हुए साथलोक
का कोई हक नहीं होने का कह कर शिकायती हैं।
साथलोक व गैरसाथलोक अपने-अपने हिस्सा अन्तर्गत
शिकायती एक कावेज होने कह कर शिकायती हैं।
विवाहित शिकायती में साथलोक का स्वत्व
बनना है अथवा नहीं पहले मूलवाद में
साक्ष्य के आधार पर यह किया जायेगा।
किसी शिकायती पर अनावश्यक विवाद ना
बढ़े अस्थायी अभयपद को वर्तमान स्थिति
बनाये रखने हेतु पाबन्द किया जाय।

| तारीख हुक्म | हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज | नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुये |
|----------------|--|---|
| | <p>अर्थात् प्रतीत होता है।</p> <p>अतः प्रार्थना का प्रयोग स्वीकार किया जाकर साथलाग एवं अंतरसायलान उभयपक्ष को पाबन्ड किया जाता है कि वे विवादित क्षम्राजी खसरा नम्बर 853 आम्र सांड की रिकार्ड व मॉका की वर्तमान स्थिति को मूल वाड के निस्ताला तक बनाये रखें। फरावली के माल ब्रुमार लेकर मूल वाड के साथ संलग्न है।</p> <p style="text-align: center;">  उपखण्डाधिकारी धौलपर (राज.) </p> | |